Title: Demand to clear the arears of the BRL and HCCL employees who have opted Voluntary Retirement Scheme (VRS).

श्री ताराचंद साहू (दुर्ग) : अध्यक्ष महोदय, देश में अनेक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम काम करते हैं लेकिन दुर्भाग्य का विाय है कि अधिकांश सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम सिक हो गए हैं। मुझे जहां तक जानकारी है एचएससीएल और बीआरएल में कार्यरत कर्मचारियों का 18 महीने से एवं 8 महीने से मासिक वेतन का भुगतान नहीं हुआ है जिससे गम्भीर स्थिति पैदा हो गई है। कर्मचारियों को वीआरएस लेने के लिए बाध्य किया गया। अनेक कर्मचारी वीआरएस लेकर गए हैं लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें इसका पूरा पैसा दिया नहीं दिया गया। सरकार के पास पैकेज भेज दिया गया है लेकिन उसे क्लीयर नहीं किया गया। सरकार को 45 दिन का नोटिस भी दिया गया जो 9 अगस्त को पूरा हो रहा है। आज 2 तारीख है। इन सात दिनों में बीआरएल के लिए पैकेज क्लीयर नहीं किया तो यह वाइंड अप कर दिया जाएगा। मेरा लोक सभा क्षेत्र दुर्ग, जहां भिलाई स्टील कारखाना है, वह एशिया का सबसे बड़ा स्टील कारखाना है। वहां गम्भीर स्थिति पैदा हो गई है। छत्तीसगढ़ शांति का क्षेत्र कहलाता है। इस प्रकार लम्बे समय तक भुगतान न होने से कर्मचारी आन्दोलन की राह पर आ रहे हैं। इसलिए पैंडिंग पैकेज क्लीयर किया जाए।

SHRI P.H. PANDIYAN (TIRUNELVELI): Mr. Speaker, Sir, I would like to make a submission.

MR. SPEAKER: You have given notice to raise a State subject. It is an issue between the State and the Centre.

SHRI P.H. PANDIYAN : Sir, this is with regard to the transfer of three I.P.S. Officers on deputation by the Central Government. Is it a State subject? Please understand that it is not a State subject. ...(*Interruptions*) We are sitting here quietly. We do not rush to the well of the House. Please allow me to raise this matter. ...(*Interruptions*) I gave notice yesterday itself. Please allow me.